

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम कैसे

भारत के शीर्ष तीन शहरों में बंगलूर को महिलाओं के लिए सामाजिक व औद्योगिक समावेश में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाला माना गया है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित, समावेशी शहरों में दूसरे नंबर में राज्य की राजधानी चेन्नई है। जो बीते साल के सर्वेक्षण में पहले पायदान पर थी। लिंग समावेशी क्षेत्र के तौर पर 25 में से 16 शहर दक्षिण भारत के हैं। यह सर्वेक्षण महिलाओं के कामकाज, उनकी रहने की जगहों, आगे बढ़ने के तरीकों के आधार पर किया गया।

कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर भी इस सूची में शामिल हैं। देश में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों के सूचकांक, आदर्श शहरों व सर्वोत्तम चलन की पहचान करता है। महिलाओं की प्रगति और उन्हें आगे बढ़ने के मार्ग प्रशस्त करने में शहरों के मूल सिद्धांतों व सांस्कृतिक ताने-बाने की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का दावा है कि भारत की औद्योगिक महिला कार्यबल का चालीस प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु से आता है।

देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम कसने में बुरी तरह असफल सरकारों के लिए इस तरह के अध्ययन फोरी तौर पर राहत दे सकते हैं। मगर हकीकत यही है कि देश भर में प्रतिवर्ष तकरौबन चार लाख से अधिक मामले महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के दर्ज होते हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार हर पंद्रहवें मिनट में बलात्कार की घटना दर्ज होती है, जिसमें राजस्थान शीर्ष पर है, उपर-मप्र क्रमशः दूसरे-तीसरे स्थान पर हैं। कामकाजी महिलाओं के खिलाफ कार्यस्थल पर होने वाले शोषण के खिलाफ कानून लागू होने के बावजूद सुरक्षित वातावरण मिलना बेहद दुष्कर है। हालांकि उक्त सर्वेक्षण में अध्ययन के लिए चुने गए शहरों के परिवेश व सांस्कृतिक महत्त्व को भी देखा जाना जरूरी है। क्योंकि दक्षिण के राज्यों में उत्तर की बनिस्पत शिक्षा अधिक है और लैंगिक विषमता भी कम है।

असल सवाल यह होना चाहिए कि महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरों के तौर-तरीकों को अन्य राज्य सरकारों भी अपनाने का प्रयास करें। इससे महिला कार्य-बल की क्षमता भी बढ़ सकती है, वे उत्कृष्टतापूर्ण नतीजे देने में सफल होंगी, जो राष्ट्र की उन्नति व समृद्धि में महती भूमिका निभा सकता है।

एआई का इस्तेमाल करेगा सेबी, 2 साल में 1,000 आईपीओ होंगे प्रोसेस

मुंबई

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) अब कंपनियों द्वारा दायर किए जाने वाले इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करेगा। सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि आईपीओ के आवेदनों की समीक्षा के लिए नियामक एआई को अपना रहा है। इससे आगले दो साल में 1,000 के करीब आईपीओ प्रोसेस होने की संभावना है। एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया (एआईबीआई) के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए बुच ने कहा कि सेबी कंपनियों और उनके मर्चेंट बैंकर्स के लिए फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए



एक स्टैंडर्ड आईपीओ टेम्पलेट पर काम कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नया टेम्पलेट रिक्त स्थान भर फॉर्मेट में होगा। कोई भी जानकारी जो स्टैंडर्ड फॉर्मेट में फिट नहीं होगी, उसकी बारीकी से समीक्षा के लिए अलग से चिह्नित किया जाएगा। इस सिस्टम का उद्देश्य आईपीओ दस्तावेजों को दो भागों

में विभाजित करना है, जिसमें स्टैंडर्ड और विशेष जानकारी शामिल होगी। सेबी को उम्मीद है कि इससे उसके अधिकारियों के लिए अनियमितताओं की पहचान करना और उनका समाधान करना आसान हो जाएगा। इस पहल से कंपनियों और विनियामकों दोनों के लिए समय की बचत होगी और उम्मीद है। एआई तीन प्रमुख तरीकों से मदद करेगा, जिसमें दस्तावेज समीक्षा, ऑनलाइन सर्च और सामग्री जांच शामिल है। बुच के मुताबिक, इससे न केवल समय बचेगा, बल्कि आईपीओ दस्तावेजों और उनकी समीक्षा करने की दक्षता भी बढ़ेगी। सेबी की विशेष जानकारी रिपोर्टिंग प्रणाली कार्यकुशलता में और सुधार आएगी। स्टैंडर्ड और नॉन-स्टैंडर्ड सेक्शन का पालन करके अधिकारी अपनी जांच में प्राथमिकता तय कर सकते हैं जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। इससे समीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो जाएगी। बुच ने कहा, अगले दो वर्षों में 1,000 आईपीओ तक को संभालने की संभावना के साथ यह कदम इसमें शामिल सभी लोगों के कार्यभार को काफी कम कर देगा।

भारत में डेटा सेंटर्स पर खर्च इस साल 19 प्रतिशत बढ़ेगा

नई दिल्ली

भारत में डेटा सेंटर्स पर खर्च 2025 में 19.1 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। यह 2024 की विकास दर से करीब दोगुना है। यह जानकारी मंगलवार को एक पूर्वानुमान में बताया गया कि सॉफ्टवेयर और आईटी सर्विसेज भारत में आईटी खर्च वृद्धि के प्रमुख चालक हैं, जो 2025 में क्रमशः 16.9 प्रतिशत और 11.2 प्रतिशत बढ़ेंगे।

गार्टनर के उपाध्यक्ष विश्वेश्वर नवीन मिश्रा ने कहा कि सॉफ्टवेयर पर खर्च जेनएआई-सक्षम समाधानों के प्रीमियम कीमत से प्रेरित है। वहीं, आईटी सेवाओं पर खर्च क्लाउडइफिकेशन, डिजिटलीकरण और कंसल्टिंग सर्विसेज के लिए उद्योगों की आवश्यकताओं के कारण बढ़ रहा है। पिछले महीने रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीबीआई साउथ एशिया की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत के डेटा सेंटर बाजार ने 2019-2024 के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों निवेशकों से 60 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है और 2027 के अंत तक कुल निवेश 100 अरब

डॉलर को पार करने की उम्मीद है। गार्टनर के अनुसार, डेटा सेंटर सिस्टम, डिवाइस और सॉफ्टवेयर सहित क्षेत्रों में 2025 में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी जाएगी, जिसका मुख्य कारण जनरेटिव एआई (जेनएआई) हाईवेयर अपग्रेड होना है। पूरी दुनिया में आईटी खर्च 2025 में बढ़कर 5.61 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह 2024 की तुलना में 9.8 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 तक एनटीकेशन सॉफ्टवेयर में 50 प्रतिशत से ज्यादा सॉफ्टवेयर खर्च जेनएआई से प्रभावित होगा। क्रिसिल रेटिस की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की डेटा सेंटर इंडस्ट्री की क्षमता वित्त वर्ष 2026-27 तक दोगुनी बढ़कर 2 से 2.3 गीगावाट हो सकती है। इसकी वजह अर्थव्यवस्था का डिजिटलाइजेशन बढ़ने के कारण क्लाउड में निवेश बढ़ना है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि बढ़ती डेटा सेंटर मांग को पूरा करने के लिए आगले तीन वित्त वर्षों में 55,000-65,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता है, जो मुख्य रूप से भूमि और भवन, बिजली उपकरण और कूलिंग सॉल्यूशंस पर खर्च किए जाएंगे।

2025 सीजन में रैंकिंग में बड़ा सुधार चाहते हैं किदांबी श्रीकांत

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर 1 और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने 2025 सीजन के लिए अपनी योजनाओं को साझा करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य रैंकिंग में शीर्ष 25 में वापस आना है और आगामी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर उनका ध्यान केंद्रित है।

पिछले साल नवंबर में हैदराबाद में स्ट्राइलिट श्रव्या वर्मा से शादी करने वाले श्रीकांत का पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा। वह पिछले

साल ओलंपिक में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। 2024 में 14 टूर्नामेंटों के दौरान, वह छह स्पर्धाओं के पहले दौर में बाहर हो गए और तीन बीडब्ल्यूएफ स्पर्धाओं में दूसरे दौर में हार गए। श्रीकांत, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर हैं, ने से कहा, 2025 में (मेरा लक्ष्य) निश्चित रूप से फिर से कम से कम शीर्ष 20-25 (रैंकिंग में) में वापस आना होगा और फिर टूर्नामेंट जीतने की कोशिश करनी होगी तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

बजट 2025 : रेलवे पर रहेगा खास फोकस, जनता को मिल सकते हैं कई तोहफे

नई दिल्ली

देश का आम बजट 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के इस दूसरे बजट से आम जनता को काफी उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि इस बार बजट में रेलवे पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और आम जनता के लिए भी कई घोषणाएं हो सकती हैं।

मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार के बजट में रेलवे को 2.93 लाख करोड़ से 3 लाख करोड़ रुपये तक का आवंटन किया जा सकता है। यह

पिछले साल के मुकाबले 15-20 प्रतिशत अधिक होगा। इस राशि का उपयोग रेलवे के बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में किया जाएगा। स्टेशनों के आधुनिकीकरण विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसके तहत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्टेशनों का नवीनीकरण किया जाएगा। देश भर में नई रेलवे लाइनें बिछाई जाएंगी, जिससे रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा समय कम होगा।

आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत भी बजट की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे यात्रियों को आरामदायक

और तेज यात्रा का अनुभव मिलेगा। सरकार का लक्ष्य 2027 तक 68,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विस्तार करना और 400 बड़े भारत ट्रेनों को चलाना है, और बजट में मिलने वाले फंड का उपयोग इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने में किया जाएगा।

देश में वर्तमान में रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें सबसे प्रमुख है देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, जिस पर तेजी से काम हो रहा है और इस महत्वाकांक्षी

परियोजना के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए जाने की संभावना है। ट्रेनों की सुरक्षा को भी अधिक सुदृढ़ करने के लिए 'कवच' नामक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को लागू करने का कार्य भी प्रगति पर है, जिसके लिए बजट से अतिरिक्त राशि आवंटित की जा सकती है। शहरों में सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई शहरों में मेट्रो रेलवे लाइनों के विस्तार का कार्य भी जारी है और इस विस्तार को बढ़ावा देने के लिए भी बजट में पर्याप्त प्रावधान किए जाने की उम्मीद है।

भारत बनाम इंग्लैंड अभिषेक शर्मा के लिए आखिरी मौका होगा: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

मेजबान भारत के लिए यह निश्चित रूप से एक बदलाव का समय है क्योंकि वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना जीवन को समायोजित कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद सबसे छोटे प्राकृतिक से संन्यास ले लिया। अभिषेक शर्मा प्रतिस्थापन की शॉर्टलिस्ट में शामिल कुछ खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ अपने संक्षिप्त कार्यकाल में निरंतरता दिखाने में विफल रहे हैं।



बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज को मैदान के सभी हिस्सों की ओर हिट करने की उनकी क्षमता के लिए जाना जाता है। यह कौशल पूरी तरह से प्रदर्शित हुआ जब उन्होंने

जुलाई 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में 47 गेंदों पर धमाकेदार शतक बनाया। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने शर्मा की क्षमता को स्वीकार किया है, लेकिन उनका मानना है कि अगर उन्हें टीम में अपनी जगह बनाए रखनी है तो उन्हें बुधवार से इंडन गार्डन में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में पूरी तरह से फॉर्म में होना होगा।

चोपड़ा ने स्टार स्पॉट्स से कहा, अभिषेक का फॉर्म थोड़ा ऊपर-नीचे होता रहा है। शुरुआत में, अपने दूसरे टी20 मैच में, उन्होंने जिम्बाब्वे

के खिलाफ शतक बनाया। उसके बाद, बहुत सारे वादे और बहुत सारी संभावनाएं, लेकिन पर्याप्त प्रदर्शन नहीं। इसलिए, मुझे लगता है कि अभिषेक शर्मा के लिए, यह अंतिम अवसर है, और मैं वास्तव में उस बच्चे से प्यार करता हूँ। मुझे लगता है कि अगर वह अच्छा करता है, तो यह बहुत अच्छी बात होगी। लेकिन ये 5 मैच-आगे बढ़ो और अपना जीवन जियो। क्योंकि इन मैचों में, जैसे संजु ने पिछले 3 मैचों में अपना नाम बनाया है, उसी तरह अभिषेक शर्मा को भी यह करना होगा। वरना, समय में थोड़ा बदलाव होगा, और जायसवाल वापस आ जाएगा।

पेश रावल की नई फिल्म द स्टोरी टेलर का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

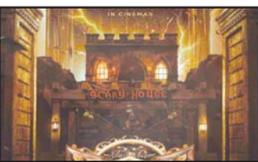
भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता पेश रावल पिछली बार फिल्म को तेरा है वो मेरा है में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। अब पेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम द स्टोरी टेलर है, जिसके निर्देशन की कमान अनंत नारायण महादेवगन ने संभाली है। यह पेश और अनंत के बीच पहला सहयोग है।



द स्टोरी टेलर की रिलीज तारीख

रहस्य और रोमांच से भरपूर फिल्म अगथिया का मोशन पोस्टर जारी, 31 जनवरी को होगी रिलीज

रहस्य, फैंटसी, हॉरर और थ्रिल से भरपूर फिल्म 'अगथिया' का मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ इशारी के गणेश द्वारा जारी कर दिया गया। चाइड ऐंगल मीडिया के साथ डॉ इशारी के गणेश द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'अगथिया' का लेखन और निर्देशन पी ए विजय ने किया है। फिल्म का संगीत युवा संगीतकार युवान शंकर राजा ने दिया है। फिल्म के सभी गाने निर्देशक पी ए विजय ने लिखा है।



फिल्म का नाम 'अगथिया' का मोशन पोस्टर काफी इंटरस्टिंग दिख रहा है। यह काफी रहस्यमय लग रहा है। और फिल्म के नाम से भी जाहिर है कि इसमें रहस्य और रोमांच के साथ फैंटसी का तड़का भी लगाया गया है।

मोशन पोस्टर शुरू होते ही पुरानी घड़ी के कलर्जुन जैसी आकृतियाँ और मशीनी जैसा दर्शाया गया है जो कई परतों से होते हुए बैकग्राउंड में चल जाता है और सामने ऐन्टिक स्टालिन में 'अगथिया' के साथ सब हेडलाइन 'ऐन्जल वसेज डेविल' लिखा हुआ आता है जो तमिल, तेलुगु, हिन्दी और इंग्लिश के साथ बदलता रहता है। पोस्टर में फिल्म के यूनीक स्टालिन में लिखे हुए नाम के साथ एक रहस्यमयी यूनिक बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है।

चक्र फूल सेहत के लिए होता है बेहद फायदेमंद,

चक्र फूल एक अद्वितीय मसाला है जो अपने विशेष स्वाद और सुगंध के लिए जाना जाता है। इसे भारतीय खान-पान में व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।



हालांकि, इस मसाले से भी कई विशेष व्यंजन बनाए जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको चक्र फूल से बनने वाले अनोखे भारतीय व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें बनाना आसान होता है। चक्र फूल वाली बिरयानी- चक्र फूल वाली बिरयानी एक खास तरह की बिरयानी है, जो आपके मेहमानों को बेहद पसंद आएगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले चावल को धोकर भिगो लें। अब घी में प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट और टमाटर भूनें। इसमें दही, मिर्च पाउडर और नमक डालें। अब इसमें भिगोए हुए चावल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ऊपर से चक्र फूल डालें और धीमी आंच पर पकने दें। जब चावल पूरी तरह पक जाए, तो इसे हरे धनिये से सजाकर परोसें।

चक्र फूल वाली खीर- खीर तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी चक्र फूल वाली खीर बनाई है? इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें चावल डालकर धीमी आंच पर पकाएं। जब चावल अच्छे से गल जाए, तो उसमें चीनी मिलाएं और इलायची पाउडर और चक्र फूल डालें। थोड़ी देर बाद इसमें काजू और बादाम डालकर गैस बंद कर दें। इसे कुछ देर ठंडा होने दें और परोसें। चक्र फूल वाला पुलाव- सब्जी वाला पुलाव एक आम व्यंजन होता है, लेकिन अगर आप इसमें चक्र फूल का तड़का लगाते हैं तो इसका स्वाद बिल्कुल बदल सकता है। इसके लिए सबसे पहले बासमती चावल को धोकर रख लें। अब घी गर्म करके उसमें जीरा, लौंग और चक्र फूल डालें। इसके बाद इसमें प्याज, गाजर और मटर आदि जैसी सब्जियां डालकर भूनें। अब इसमें धुले हुए चावल मिलाकर पानी डालें और ढक कर पकने दें।

शब्द सामर्थ्य- 305

बाएं से दाएं: 1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 2. उपहार, भेंट 3. खबर, हल्कानौद, चकमा, धोखा 4. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 5. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 6. चरमसोमा, रंग का, मटयैला 7. क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रिवाज 8. पेट 9. पेड़ का थड़ा जहाँ से शाखाएँ निकलती हैं, 10. मिठाई, खाने की मीठी चीज 11. शासन, गुप्तवात 12. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 13. विपश्चिग्रस्त, दुखी, अभाग्य 14. स्वप्न, नामवर 15. चक्र, प्रसाद 16. करीब, नजदीक, समीप 17. सुबह, प्रातः, सबेर।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 304 का हल

अ	भि	षे	क	प	स
जा	त	थ	थ	पा	ना
य	र	का	नी	ध	र
ब	घा	र	क	ष्ट	प्र
त	ना	त	नी	वं	ब
स	जा			क	ज
बा	बे	स	हा	रा	ग
ब	गु	ला	रा	ज	दू

सू-दोक्- 305

7		4	3	
2		3		4
6		2		
3	1		7	4
2		1		6
8		9	4	1
1		2	3	7
5	3		8	

नियम

- कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9x9 का एक खंड बनता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र. 304 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2